1 वह चिड़िया जो (केदारनाथ अग्रवाल)

कवि-परिचय

केदारनाथ अग्रवाल जी का जन्म बाँदा जिले के एक गाँव में 1911 ई. को हुआ। उन्होंने प्रयाग एवं आगरा विश्वविद्यालय से बी.ए. और एल.एल.बी की परीक्षा उत्तीर्ण की। तभी से बाँदा में वकालत तथा हिंदी के प्रगतिवादी आंदोलन से अग्रवाल जी का गहरा संबंध रहा। प्रमुख प्रगतिवादी कवि के रूप में 'हंस', 'नया साहित्य' और इसी प्रकार की अन्य प्रगतिवादी पत्रिकाओं में आपकी रचनाओं का बराबर प्रकाशन होता रहा।

उनकी रचनाओं में 'युग की गंगा', 'नीद के बादल', 'लोक और आलोक', 'फूल नहीं, रंग बोलते हैं' आदि रचनाएँ प्रमुख रही हैं।

कविता का सार

प्रस्तुत कविता में कवि केदारनाथ अग्रवाल ने नीले पंखों वाली छोटी चिड़िया के बारे में बताया है जो दूध भरे जुंडी के दाने खाकर खुश व संतुष्ट हो जाती है। जिसे अन्न से प्यार है। यह छोटी चिड़ियों बूढ़ें वन बाबा को खुश करने के लिए अपने छोटे से मुँह से पूरा रस उड़ेल कर कंठ खोलकर गाती है। उस मुँह बोली चिड़िया को एकांत से भी प्यार है। यह छोटी गर्वीली चिड़िया उफनती नदी का दिल टटोल कर जल रूपी मोती अपनी चोंच से ले जाती है।

सप्रसंग व्याख्या तथा अर्थग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर

1. वह चिड़िया जो—
चोंच मार कर
दूध-भरे जुंडी के दाने
रुचि से, रस से खा लेती है
वह छोटी संतोषी चिड़िया
नीले पंखों वाली मैं हूँ।
मुझे अन्न से बहुत प्यार है।

शब्दार्थ : रुचि = इच्छा (desire, wish)। **अन्न** = अनाज (grain)। **संतोषी** = थोड़े में संतुष्ट (contented, pesson)। **जुंडी** = जौ और बाजरे की बालियाँ (ears of cereal)।

प्रसंग : प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी हिंदी की पाठ्यपुस्तक 'वसंत भाग-1' में संकलित 'वह चिड़िया जो' नामक कविता से ली गई है। इसके कवि 'श्री केदारनाथ अग्रवाल' है। इन पंक्तियों में नीले पंखों वाली छोटी चिड़िया के बारे में बताया गया है जो कवि के मन को मोह लेती है।

व्याख्या : कवि का कहना है कि वह छोटी सी-चिड़िया जो अपनी चोंच मार-मार कर दूध के समान भरे हुए जुंडी के दाने बड़े ही चाव और आनंद के साथ खाती है। उस चिड़िया का कहना है कि वह बड़ी सब्र वाली, नीले पंखों वाली चिड़िया मैं ही हूँ। मुझे अनाज बहुत अच्छा लगता है।

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर—

(क) कवि और कविता का नाम बताओ।

उत्तर— कवि केदारनाथ अग्रवाल
कविता 'वह चिड़िया जो'।

(ख) चिड़िया क्या खाती है?

उत्तर— चिड़िया दूध भरे जुंडी के दाने बड़े ही शौक व आनंद से खाती है।

(ग) इस छोटी-सी चिड़िया को संतोषी चिड़िया क्यों कहा गया है?

उत्तर— इस छोटी-सी चिड़िया को संतोषी चिड़िया इसलिए कहा गया है क्योंकि वह थोड़े से जुंडी के दाने खाकर बड़े सब्र और आनंद से रहती है। संतुष्ट हो जाती है।

(घ) चिड़िया को किससे प्यार है?

उत्तर— चिड़िया को अन्न से प्यार है।

2. वह चिड़िया जो—
कंठ खोल कर
बूढ़े वन-बाबा की खातिर
रस उँडेल कर गा लेती है
वह छोटी मुँह बोली चिड़िया
नीले पंखों वाली मैं हूँ
मुझे विजन से बहुत प्यार है।

शब्दार्थ : कंठ = गला (throat)। **खातिर** = के लिए (for)। **विजन** = एकांत, निर्जन स्थान (Solitude)। **उँडेल** = गिराना (pour)।

प्रसंग : इन पंक्तियों में चिड़िया के मधुर गान के बारे में बताया गया है।

व्याख्या : कवि उस चिड़िया के मधुर गान के बारे में बताते हुए कहते हैं कि वह छोटी-सी चिड़िया जो अपना पूरा सुर निकाल-कर बूढ़े वन बाबा के लिए गाती है। वह अपने मीठे स्वर से वन में पूरा रस उँडेल देती है। मीठे स्वर में गाने वाली वह छोटे-से मुँह वाली, नीले पंखों वाली चिड़िया मैं हूँ। मुझे जंगल से बहुत प्यार है।

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर—

(क) चिड़िया कंठ खोलकर किसके लिए गाती है?

उत्तर— चिड़िया कंठ खोलकर बूढ़े वन-बाबा के लिए गाती है।

(ख) 'रस उँडेल कर गा लेती है'— पंक्ति से क्या अभिप्राय है?

उत्तर— इस पंक्ति से अभिप्राय है कि वह छोटी-सी नीले पंखों वाली चिड़िया अपनी मधुर आवाज़ में गाती है।

(ग) चिड़िया के पंखों का रंग क्या है?

उत्तर— चिड़िया के पंखों का रंग नीला है।

(घ) चिड़िया किस स्वर में वन बाबा के लिए गाती है।

उत्तर— चिड़िया मीठे स्वर में वन बाबा के लिए गाती है।

3. वह चिड़िया जो—
चोंच मार कर
चढ़ी नदी का दिल टटोल कर
जल का मोती ले जाती है।
वह छोटी गरबीली चिड़िया
नीले पंखों वाली मैं हूँ
मुझे नदी से बहुत प्यार है।

शब्दार्थ : टटोल कर = ढूँढ़कर (searching)। **गरबीली** = गर्व करने वाली (proud)।

प्रसंग : इन पंक्तियों में कवि ने एक नन्ही चिड़िया के बारे में बताया है।

व्याख्या : कवि का कहना है कि चिड़िया अपने बारे में बताते हुए कहती है कि वह छोटी-सी चिड़िया, जो भरी नदी में चोंच मारकर नदी का दिल टटोलकर जल में से मोती ले जाती है। नदी का जल मोती के समान शुद्ध व निर्मल होता है। वह छोटी-सी गर्व से जीने वाली चिड़िया, जिसके नीले पंख हैं, मैं ही हूँ और मुझे नदी से बहुत प्यार है।

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्नोत्तर—

(क) उस चिड़िया को गरबीली क्यों कहा गया है?

उत्तर— वह छोटी-सी चिड़िया अपने सादे जीवन पर गर्व करती है इसलिए उसे गरबीली (गर्वीली) कहा गया है।

(ख) चिड़िया को किससे प्यार है?

उत्तर— चिड़िया को नदी से प्यार है।

(ग) चिड़िया किस का दिल टटोलती है?

उत्तर— चिड़िया नदी का दिल टटोलती है।

(घ) चिड़िया नदी से क्या ले जाती है?

उत्तर— चिड़िया नदी से जल का मोती ले जाती है।

प्रश्न-अभ्यास

कविता से—

प्रश्न 1. कविता पढ़कर तुम्हारे मन में चिड़िया का जो चित्र उभरता है उस चित्र को कागज़ पर बनाओ।

उत्तर— इस कविता को पढ़कर हमारे मन में छोटी-सी चिड़िया का चित्र उभरता है। इस चिड़िया की चोंच छोटी और पंख नीले हैं। वह मधुर स्वर में गाती है।

प्रश्न 2. तुम्हें कविता को कोई और शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहोगे? उपयुक्त शीर्षक सोचकर लिखो।

उत्तर— हमें इस कविता का कोई और शीर्षक देना होगा तो हम 'नन्हीं चिड़िया' देंगे क्योंकि इस कविता में एक छोटी-सी चिड़िया के बारे में ही बताया गया है।

प्रश्न 3. इस कविता के आधार पर बताओ कि चिड़िया को किन-किन चीज़ों से प्यार है?

उत्तर— इस कविता के आधार पर चिड़िया को अन्न, विजन (एकांत) और नदी से प्यार है।

प्रश्न 4. आशय स्पष्ट करो—

(क) रस उँडेल कर गा लेती है।
(ख) चढ़ी नदी का दिल टटोलकर
जल का मोती ले जाती है।

उत्तर— (क) देखें पेज न. 1 काव्यांश न. 2।
(ख) देखें काव्याश न. 3।

अनुमान और कल्पना—

प्रश्न 1. कवि ने नीली चिड़िया का नाम नहीं बताया है। वह कौन-सी चिड़िया रही होगी? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए भारत की चिड़ियों के बारे में सबसे अधिक जानकारी रखने वाले पक्षी-विज्ञानी सालिम अली की पुस्तक *'भारतीय पक्षी'* देखो। उसमें ऐसे सभी पक्षियों का विस्तार से वर्णन है जो हमारे देश में पाए जाते हैं। इनमें ऐसे पक्षी भी

शामिल हैं जो जाड़े में एशिया के उत्तरी भाग और अन्य ठंडे देशों से भारत आते हैं। सालिम अली की पुस्तक देखकर तुम अनुमान लगा सकते हो कि इस कविता में वर्णित नीली चिड़िया शायद इनमें से कोई एक रही होगी :

नीलकंठ, छोटा किलकिला, कबूतर, बड़ा पतरिंगा।

उत्तर— सालिम अली की पुस्तक देखकर हम अनुमान लगा सकते हैं कि इस कविता में वर्णित नीली चिड़िया शायद बड़ा पतरिंगा रही होगी। उपर्युक्त वर्णित पक्षियों में से कबूतर तो हो ही नहीं सकता क्योंकि कबूतर के पंख नीले नहीं होते। नीलकंठ और छोटा किलकिला इनके पंख तो नीले हैं परंतु ये छोटे-छोटे जंतु खाते हैं अन्न नहीं और दूसरी बात इनकी चोंच छोटी नहीं होती। तो यह अवश्य ही पतरिंगा रही होगी।

प्रश्न 2. नीचे पक्षियों के कुछ नाम दिए गए हैं। उनमें यदि कोई पक्षी एक से अधिक रंग का है तो लिखो कि उसके किस हिस्से का रंग कैसा है? जैसे तोते की चोंच लाल है, शरीर हरा है।

मैना, कौआ, बतख, कबूतर

उत्तर— मैना = चोंच पीली, सिर काला, पंख मटमैला
कौआ = काला
बतख = चोंच पीली, सिर नीला, शरीर सफ़ेद
कबूतर = स्लेटी

प्रश्न 3. कविता का हर बंध *'वह चिड़िया जो'* से शुरू होता है और *'मुझे बहुत प्यार है'* पर खत्म होता है। तुम भी दी गई इन पंक्तियों का अपनी कल्पना से प्रयोग करते हुए कविता में कुछ नए बंध जोड़ो।

उत्तर— वह चिड़िया जो—
पेड़ों की डाली पर झूमती-गाती
नन्हें-नन्हें पंखों को फैला
जहाँ-तहाँ मंडराती
वह छोटी-सी भोली चिड़िया
नीले पंखों वाली मैं हूँ
मुझे बच्चों से बहुत प्यार है।

प्रश्न 4. तुम भी ऐसी कल्पना कर सकते हो कि *'वह फूल का पौधा जो-पीली पंखुड़ियो वाला-महक रहा है—मैं हूँ।'* उसकी विशेषताएँ मुझ में हैं...। फूल के बदले वह कोई दूसरी चीज भी हो सकती है जिसकी विशेषताओं को गिनाते हुए तुम उसी चीज से अपनी समानता बता सकते हो... ऐसी कल्पना के आधार पर कुछ पंक्तियाँ लिखो।

उत्तर— नन्हा हूँ मैं,
पर फिर भी सदा महकता हूँ
पीले-पीले पंख हैं मेरे
सदा खुशबू फैलाता हूँ।
माली नित मुझे है सींचे
बाग में है मेरी हरियाली
नन्हा हूँ मैं
फिर भी सदा महकता हूँ

भाषा की बात—

प्रश्न 1. पंखों वाली चिड़िया
ऊपर वाली दराज़
नीले पंखों वाली चिड़िया
सबसे ऊपर वाली दराज़

यहाँ रेखांकित शब्द विशेषण का काम कर रहे हैं। नीचे *'वाला/वाली'* जोड़कर बनने वाले कुछ और विशेषण दिए गए हैं। ऊपर दिए गए उदाहरणों की तरह इनके आगे एक-एक विशेषण और जोड़ो—

उत्तर— अधिक मोरों वाला बाग
घने पेड़ों वाला घर
लाल फूलों वाली क्यारी
सफेद खादी वाला कुर्ता
बहुत रोने वाला बच्चा
घनी मूँछों वाला आदमी

प्रश्न 2. वह चिड़िया ..... जुंडी के दाने **रुचि से** ..... खा लेती है।
वह चिड़िया .....**रस उँडेलकर** गा लेती है।

• कविता की इन पंक्तियों में मोटे छापे वाले शब्दों को ध्यान से पढ़ो। पहले वाक्य में *'रुचि से'* खाने के ढंग की और दूसरे वाक्य में 'रस उँडेल कर' गाने के ढंग की विशेषता बता रहे हैं। अतः ये दोनों क्रिया-विशेषण हैं। नीचे दिए वाक्यों में कार्य के ढंग या रीति से संबंधित क्रिया-विशेषण छाँटो—

(क) सोनाली जल्दी-जल्दी मुँह में लड्डू ठूँसने लगी। **(जल्दी-जल्दी)**

(ख) गेंद लुढ़कती हुई झाड़ियों में चली गई। **(लुढ़कती हुई)**

(ग) भूकंप के बाद जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य होने लगा। **(धीरे-धीरे)**

(घ) कोई सफ़ेद-सी चीज़ धप्प से आँगन में गिरी। **(धप्प से)**
(ङ) टॉमी फुर्ती से चोर पर झपटा। **(फुर्ती से)**
(च) तेजिंदर सहमकर कोने में बैठ गया। **(सहमकर)**
(छ) आज अचानक ठंड बढ़ गई है। **(अचानक)**

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

लघूत्तरात्मक प्रश्नोत्तर—

प्रश्न 1. चिड़िया जुंडी के दाने कैसे खाती है?
उत्तर— चिड़िया जुंडी के दाने चोंच मारकर खाती है।

प्रश्न 2. संतोषी चिड़िया के पंख कैसे रंग के हैं?
उत्तर— संतोषी चिड़िया के पंख नीले रंग के हैं।

प्रश्न 3. कविता में छोटी-सी चिड़िया को क्या कहा गया है?
उत्तर— कविता में छोटी-सी चिड़िया को संतोषी और गरबीली (गर्वीली) कहा गया है।

प्रश्न 4. पक्षी विज्ञानी सालिम अली की पुस्तक का नाम बताओ।
उत्तर— भारतीय पक्षी।

प्रश्न 5. चिड़िया को किससे बहुत ज्यादा प्यार है?
उत्तर— चिड़िया को अन्न से बहुत प्यार है।

प्रश्न 6. वह चिड़िया कंठ खोलकर क्या सुनाती है?
उत्तर— वह कंठ खोलकर गाना सुनाती है।

प्रश्न 7. कवि को किससे प्यार है।
उत्तर— कवि को चिड़िया के माध्यम से जंगल से प्यार है।

प्रश्न 8. 'जल का मोती' का अभिप्राय क्या है।
उत्तर— चिड़िया को नदी से बेहद लगाव है। पानी की गहराई तक चली जाती है जहाँ से मोती निकाले जाते हैं।

प्रश्न 9. चिड़िया कहाँ रहना पसंद करती है?
उत्तर— चिड़िया विज़न में रहना पसंद करती है।

निबंधात्मक प्रश्नोत्तर—

प्रश्न 1. कवि ने चिड़िया को छोटी, संतोषी, मुँह बोली और गरबीली क्यों कहा है?
उत्तर— कवि ने चिड़िया को छोटी और संतोषी कहा है क्योंकि वह अपनी छोटी-सी चोंच से थोड़े से जुंडी के दाने खाकर ही संतुष्ट हो जाती है। वन-बाबा के लिए मीठे स्वर में गाती है, इसलिए मुँह बोली कहा है। चढ़ी हुई नदी में चोंच डुबोकर जल का मोती ले जाने के कारण उसे गरबीली चिड़िया कहा है।

प्रश्न 2. नीले पंखों वाली छोटी चिड़िया को विजन क्यों पसंद है? तथा इस चिड़ियाँ की कौन सी विशेषता से आप अधिक प्रभावित है और क्यों?
उत्तर—नीले पंखों वाली चिड़िया स्वच्छद प्रकृति की है। जंगल में उसे हर प्रकार की स्वतंत्रता है। उसे वहाँ किसी प्रकार का भय नहीं है। इसीलिए उसे विजन से प्यार है। मैं चिड़िया के गर्वीलेपन से प्रभावित हुआ हूँ। मुझे भी उससे यह प्रेरणा मिलती है कि हमें भी गर्वीला अर्थात् स्वाभिमानी होना चाहिए।

● बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर—

1. चिड़िया अपनी चोंच से किसके दाने तोड़ती है—
(क) चुंड़ी (ग) ज्वार
(ख) जुंड़ी (घ) गेहूँ

2. चिड़िया के पंख किस रंग के होते है—
(क) नीले (ग) काले
(ख) पीले (घ) लाल

3. चिड़िया को किस से अधिक प्यार है—
(क) वृक्षों से (ग) हवा से
(ख) आकाश से (घ) अन्न से

4. जुड़ी के दाने किस से भरे हैं—
(क) रस से (ग) हवा से
(ख) दूध से (घ) पानी से

5. चिड़िया किसकी खातिर गाना गाती है—
(क) अन्न की खातिर (ग) बूढ़ें वन-बाबा की
(ख) जल की खातिर (घ) फूल की खातिर

6. छोटी चिड़िया कैसी है—
(क) चुटीली (ग) संतोषी
(ख) भड़कीली (घ) क्रोधी

7. चिड़िया किस का दिल टटोलती है—
(क) नदी का (ग) अन्न का
(ख) वृक्ष का (घ) फूलों का

8. चिड़िया का स्वभाव कैसा है—
(क) मधुर (ग) गरवीला
(ख) कठोर (घ) बड़बोला

9. जल का मोती कौन ले जाती है—
(क) कोयल (ग) चिड़िया
(ख) कबूतर (घ) तोता

उत्तर— 1. (ख), 2. (क), 3. (घ), 4. (ख), 5. (ग), 6. (ग), 7. (क), 8. (ग), 9. (ग)।